



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 48] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 16, 1989/अग्राहायण 25, 1911
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 16, 1989/AGRAHAYANA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be fitted as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संवैधानिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1989

का.नि.आ. 342 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि आफिसर कमांडिंग इन-चीफ मध्य कमान द्वारा कर्नल डेविड डेनियल का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, अल्मोड़ा में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फाइल संख्या 19/44/अल्मोड़ा/सी/मू व छ/66/5415/डी(क्यू एण्ड सी)]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 27th November, 1989

S.R.O. 342.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Almora by reason of the acceptance by the Officer Commanding-in-Chief, the Central Command of the resignation of Col. David Daniel.

[No. 19/44/C/Almora/L&C/66/5415/D(Q&C)]

का.नि.आ. 343 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि स्टेशन कमांडर रानिखेत ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ले. कर्नल के. के. सूद को छावनी बोर्ड, अल्मोड़ा का सदस्य मनोनित किया है। यह मनोनित कर्नल डेविड डेनियल के शान पर किया गया है जिनका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फाइल संख्या-19/44/अल्मोड़ा/सी/मू व छ/66/5415-ए/डी(क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 343.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. K. K. Sood has been nominated as a member of the Cantonment Board, Almora by the Station Commander, Ranikhet in exercise of the powers conferred under clause (e) of sub-section (3) of section 13 of that Act vice Col. David Daniel whose resignation has been accepted.

[No. 19/44/C/Almora/L&C/66/5415-A/D(Q&C)]

का.नि.आ. 344 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि आफिसर कमांडिंग इन-चीफ मध्य कमान

द्वारा कर्नल के. वेंकटरामन का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड मेरठ में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फाइल संख्या 1-19/4/मेरठ/सी/मू व छा/85/5549/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 344.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Meerut by reason of the acceptance by the Officer Commanding-in-Chief, the Central Command of the resignation of Col K. Venketa Raman.

[F. No. 19/4/Meerut/C/L&C/85/5549/D(Q&C)]

का.नि.आ. 345 :—छावनी अधिनियम, (1924 1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि स्टेशन कमांडर, मेरठ ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) के खण्ड (च) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्नल यू.एस. राठीर, को छावनी बोर्ड, मेरठ का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनोनीत कर्नल के. वेंकटरामन के स्थान पर किया गया है, जिनका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फाइल संख्या-19/4/मेरठ/सी/मू व छा/85/5549-ग/डी (क्यू एण्ड सी)]

कर्तार सिंह, अवर सचिव

S.R.O. 345.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Col. U. S. Rathor has been nominated as a member of the Cantonment Board, Meerut by the Station Commander Meerut in exercise of the powers conferred under clause (c) of sub-section (3) of section 13 of that Act vice Col. K. Venketa Raman whose resignation has been accepted.

[F. No. 19/4/Meerut/C/L&C/85/5549-A/D(Q&C)]

KARTAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1989

का.नि.आ. 346 :—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय कैडेट कोर (गर्ल डिवीजन) निगम, 1949 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय कैडेट कोर (गर्ल डिवीजन) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (गर्ल डिवीजन) नियम, 1949 के नियम 37 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“37-क. निलंबन : (1) नियुक्ति प्राधिकारी या कोई अन्य प्राधिकारी, जिसके अधीनस्थ है, या अनुशासन प्राधिकारी या कोई अन्य प्राधिकारी जिसे केन्द्रीय सरकार ने साधारण या विशेष आदेश द्वारा, उस निमित्त शक्तें प्रदत्त की हैं, किसी अधिकारी को निलंबित कर सकेगा :

(क) जहां उसके विरुद्ध कोई अनुशासनिक कार्यवाही अनुष्ठित है या लंबित है, या

(ख) जहां पूर्वोक्त प्राधिकारी की यह राय है कि उसने अपने आप को ऐसे क्रियाकलापों में लगा रखा है जिनसे राज्य के हित या सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, या

(ग) जहां किसी दंडिक अपराध के बारे में उसके विरुद्ध कोई मामला अन्वेषण, जांच या विचारधीन है।

(2) उपरोक्त उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्राधिकारी के किसी आदेश द्वारा निलंबित किया गया कोई व्यक्ति निम्नलिखित तारीख से निलंबित किया गया समझा जाएगा :—

(क) उसके निरोध की तारीख से, यदि उसे किसी अपराधिक आरोप के कारण या अथवा अड़तालों से अधिक अवधि के लिए अभिरक्षा के विरुद्ध रखा जाता है,

(ख) किसी अपराध के लिए उसकी दोषसिद्धि की तारीख से, यदि उसे अड़तालों से अधिक की अवधि के कारावास से दंडादिष्ट किया गया है और उसे ऐसी दोषसिद्धि के परिणामस्वरूप तुरन्त पदच्युत अथवा सेवा से हटाया या अनिवार्यतः सेवानिवृत्त नहीं किया गया है।

(3) निलंबन की अवधि के दौरान, वह अधिकारी, उस प्राधिकारी की अनुज्ञा के सिवाय, जिसने उसे निलंबित किया है, अपना मुख्यालय नहीं छोड़ेगा।

(4) इस नियम के अधीन किया गया या किया गया समझा गया कोई आदेश तब तक प्रवृत्त रहेगा जब तक कि उसका सक्षम प्राधिकारी द्वारा उपांतरण या प्रतिसंहरण न कर दिया जाए।

37 ख. जीवन निर्वाह भत्ता : निलंबित की गई या निलंबित की गई समझी गई अधिकारी, निलंबन की अवधि के प्रथम तीन मास तक छुट्टी संबलन के बराबर रकम की, जो उसे यदि वह अर्ध औसत वेतन या अर्ध वेतन छुट्टी पर होती, मिलती, जीवन-निर्वाह भत्ता पाने का हकदार होगा। अधिकारी को निलंबित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के लिए तीन मास से अधिक की किसी अवधि के लिए जीवन-निर्वाह भत्ते का रशि, का निलंबन की प्रथम तीन मास की अवधि के अवसान से काफी पहले निम्नानुसार पुनर्विलोकन करना आवश्यक है :—

(क) यदि सक्षम प्राधिकारी की राय में निलंबन की अवधि प्रत्यक्ष रूप से निलंबित अधिकारी के कारण नहीं बढ़ाई गई है तो ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किए जाएंगे, जीवन-निर्वाह भत्ते की किसी उपयुक्त रकम तक, जो आरंभिक जीवन-निर्वाह भत्ते के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी बढ़ा दें,

या

(ख) यदि उस प्राधिकारी की राय में निलंबन की अवधि प्रत्यक्ष रूप से निलंबित अधिकारी के कारण बढ़ाई गई है तो ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किए जाएंगे, जीवन-निर्वाह भत्ते की किसी उपयुक्त रकम तक, जो आरंभिक जीवन-निर्वाह भत्ते के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी, कम कर दें,

(ग) निलंबित अधिकारी द्वारा इस आशय का कि वह उस अवधि के दौरान किसी अन्य लाभप्रद कार्य में नहीं लागू हुई थी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए जाने पर ही उसे जीवन निर्वाह भत्ते का संदाय किया जाएगा।

(घ) सक्षम प्राधिकारी अपने विवेकानुसार किसी भी समय जीवन निर्वाह भत्ते का दूसरा और पश्चात्तर्वी पुनर्विलोकन कर सकेगा और ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किए जाएंगे, जीवन निर्वाह भत्ते की दर को प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार आरम्भ में मंजूर किए गए जीवन निर्वाह भत्ते की रकम के पचास प्रतिशत तक बढ़ाने या घटाने के लिए सक्षम होगा।”

[फा.सं. 10 (12)/89/डी. (जी.एस.-6)]

एच. टी. मिह्ला, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र, भाग-I, खण्ड-3 में रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं. 451, तारीख 18 मार्च, 1950 द्वारा

प्रकाशित किए गए थे। तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :-

क्रम संख्या, अधिसूचना संख्या, भारत के राजपत्र की तारीख जिसमें प्रकाशित की गई और राजपत्र का भाग और खंड संख्यांक

1	2	3
1.	सं. 610	8-4-1950, भाग-1, खण्ड-2
2. का. नि. प्रा.	44	20-5-1950, भाग-2, खण्ड-4
3. का. नि. प्रा.	178	21-4-1951, भाग-2, खण्ड-4
4. का. नि. प्रा.	99	29-3-1952, भाग-2, खण्ड-4
5. का. नि. प्रा.	326	18-10-1952, भाग-2, खण्ड-4
6. का. नि. प्रा.	2	1-1-1953, भाग-2, खण्ड-4
7. का. नि. प्रा.	227	6-6-1953, भाग-2, खण्ड-4
8. का. नि. प्रा.	311	18-7-1953, भाग-2, खण्ड-4
9. का. नि. प्रा.	339	3-8-1953, भाग-2, खण्ड-4
10. का. नि. प्रा.	367	22-8-1953, भाग-2, खण्ड-4
11. का. नि. प्रा.	94	11-8-1954, भाग-2, खण्ड-4
12. का. नि. प्रा.	40	29-1-1955, भाग-2, खण्ड-4
13. का. नि. प्रा.	84	19-2-1955, भाग-2, खण्ड-4
14. का. नि. प्रा.	185	21-5-1955, भाग-2, खण्ड-4
15. का. नि. प्रा.	216	22-6-1955, भाग-2, खण्ड-4
16. का. नि. प्रा.	242	5-7-1958, भाग-2, खण्ड-4
17. का. नि. प्रा.	335	11-10-58, भाग-2, खण्ड-4
18. का. नि. प्रा.	78	26-2-1959, भाग-2, खण्ड-4
19. का. नि. प्रा.	379	23-12-1961, भाग-2, खण्ड-4
20. का. नि. प्रा.	272	1-8-1964, भाग-2, खण्ड-4
21. का. नि. प्रा.	277	8-8-1964, भाग-2, खण्ड-4
22. का. नि. प्रा.	105	3-4-1965, भाग-2, खण्ड-4
23. का. नि. प्रा.	202	12-6-1965, भाग-2, खण्ड-4
24. का. नि. प्रा.	326	2-10-1965, भाग-2, खण्ड-4
25. का. नि. प्रा.	269	2-10-1965, भाग-2, खण्ड-4
26. का. नि. प्रा.	107	21-2-1970, भाग-2, खण्ड-4
27. का. नि. प्रा.	144	21-3-1970, भाग-2, खण्ड-4
28. का. नि. प्रा.	138	10-4-1971, भाग-2, खण्ड-4
29. का. नि. प्रा.	183	5-6-1971, भाग-2, खण्ड-4
30. का. नि. प्रा.	370	16-10-1971, भाग-2, खण्ड-4
31. का. नि. प्रा.	71	11-3-1972, भाग-2, खण्ड-4
32. का. नि. प्रा.	149	26-4-1975, भाग-2, खण्ड-4
33. का. नि. प्रा.	422	1-12-1977, भाग-2, खण्ड-4
34. का. नि. प्रा.	2	19-1-1985, भाग-2, खण्ड-4
35. का. नि. प्रा.	56	16-3-1985, भाग-2, खण्ड-4
36. का. नि. प्रा.	57	22-1-1985
37. का. नि. प्रा.	19-अ	27-12-1985

(भारत का राजपत्र, अध्याधारण राजपत्र, अधिसूचना)

New Delhi, the 17th November, 1989

S.R.O. 346.—In exercise of the powers conferred by section 13 of the National Cadet Corps Act, 1948 (31 of 1948), the Central Government hereby makes the following

rules further to amend the National Cadet Corps (Girls Division) Rules, 1949, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Cadet Corps (Amendment) Rule, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the National Cadet Corps (Girls Division) Rules, 1949, after rule 37, the following rules shall be inserted namely :—

37-A. Suspension.—(1) The appointing authority or any other authority to which it is subordinate or the disciplinary authority or any other authority empowered in that behalf by the Central Government, by general or special order, may place an officer under suspension;

(a) where a disciplinary proceeding against her is contemplated or is pending; or

(b) where, in the opinion of the authority aforesaid, she has engaged herself in activities prejudicial to the interest or security of the State; or

(c) where a case against her in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial.

(2) An officer shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the authority referred to in sub-rule (1) above with effect from:

(a) the date of her detention, if she is detained in custody whether on a criminal charge or otherwise, for a period exceeding forty-eight hours;

(b) the date of her conviction for an offence, if she is sentenced to a term of imprisonment exceeding forty-eight hours and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired from service consequent to such conviction.

(3) During the period of suspension the officer shall not leave her headquarters except with the permission of the authority which has suspended her.

(4) An order of suspension made or deemed to have been made under this rule shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the competent authority.

37-B. Subsistence Allowance.—An officer placed under suspension or deemed to have been placed under suspension is entitled to a subsistence allowance, upto the first three months of the period of suspension, at an amount equal to the leave salary which she would have drawn if she had been on leave on half average pay or half pay. It is mandatory for the authority competent to suspend the officer to review the quantum of subsistence allowance for any period exceeding three months well before the expiry of the first three months period of suspension as follows :—

(a) if in the opinion of the competent authority the period of suspension has been prolonged not directly attributable to the suspended officer for reasons to be recorded in writing, increase the subsistence allowance by a suitable amount not exceeding 50 per cent of the initial subsistence allowance;

or

(b) if in the opinion of that authority the period of suspension has been prolonged directly attributable to the suspended officer, for reasons to be recorded in writing, decrease the subsistence allowance by a suitable amount not exceeding 50 per cent of the initial subsistence allowance;

(c) The payment of subsistence allowance to a suspended officer shall be subject to the production of a certificate every month to the effect that she was not engaged in any other remunerative job during that period;

(d) The competent authority may carry out the second or subsequent reviews of the subsistence allowance at any time at its discretion and shall be competent to increase or decrease the rate of subsistence allowance for reasons to be recorded in writing, upto 50% of the amount of subsistence allowance initially granted according to the circumstances of each case.

[F.No. 10 (12)/89/D(GS-VI)]

H. D. SINHA, Under Secy.

Note : The Principal rules were published in the Gazette of India, Part-I Section 3 vide Notification, Ministry of Defence No. 451 dated 18 March 1950 and was subsequently amended by :-

Sl. No.	Notification No.	Date of Gazette of India in which published & number in the Part and Sec. of the Gazette
1	2	3
1.	No. 610	08-04-1950 Part I Sec 3
2.	SRO 44	20-05-1950 Part 2 Sec 4
3.	SRO 178	21-04-51 Part 2 Sec 4
4.	SRO 99	29-03-1952 Part 2 Sec 4
5.	SRO 326	18-10-1952 Part 2 Sec 4
6.	SRO 2	03-01-1953 Part 2 Sec 4
7.	SRO 227	06-06-1953 Part 2 Sec 4
8.	SRO 311	18-07-53 Part 2 Sec 4
9.	SRO 389	01-08-1953 Part 2 Sec 4
10.	SRO 367	22-08-1953 Part 2 Sec 4
11.	SRO 94	13-09-1954 Part 2 Sec 4
12.	SRO 40	29-01-1955 Part 2 Sec 4
13.	SRO 84	19-02-1955 Part 2 Sec 4
14.	SRO 185	21-05-1955 Part 2 Sec 4
15.	SRO 246	22-06-1957 Part 2 Sec 4
16.	SRO 242	05-07-58 Part 2 Sec 4
17.	SRO 335	11-10-1958 Part 2 Sec 4
18.	SRO 78	26-02-1959 Part 2 Sec 4
19.	SRO 379	23-12-1961 Part 2 Sec 4
20.	SRO 272	01-08-1964 Part 2 Sec 4
21.	SRO 277	08-08-1964 Part 2 Sec 4
22.	SRO 105	03-04-1965 Part 2 Sec 4
23.	SRO 202	12-06-1965 Part 2 Sec 4
24.	SRO 326	02-10-1965 Part 2 Sec 4
25.	SRO 269	02-10-1965 Part 2 Sec 4
26.	SRO 107	21-02-1970 Part 2 Sec 4
27.	SRO 144	21-03-1970 Part 2 Sec 4
28.	SRO 3138	10-10-1971 Part 2 Sec 4
29.	SRO 183	05-06-1971 Part 2 Sec 4
30.	SRO 370	16-10-1971 Part 2 Sec 4
31.	SRO 71	11-03-1972 Part 2 Sec 4
32.	SRO 149	26-04-1975 Part 2 Sec 4
33.	SRO 422	1-12-1977 Part 2 Sec 4
34.	SRO 3	19-01-1985 Part 2 Sec 4
35.	SRO 56	16-03-1985 Part 2 Sec 4
36.	SRO 57	23-03-1985
37.	SRO 19-E	27-12-1985

(Government of India
Extra-Ordinary Gazette Notification).

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1989

का.नि.आ. 347:- राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रक्षा मंत्रालय ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन), कनिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) और अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1988 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा मंत्रालय ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन), कनिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) और अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. रक्षा मंत्रालय ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन), कनिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) और अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1988 की अनुसूचियों :-

(क) ज्येष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) के पद के सामने स्तम्भ 15 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् :-

विभागीय प्रोन्नति समिति की रचना :

(पुनर्निर्माण के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों की पुष्टि पर विचार करने के लिए)

- (1) संयुक्त सचिव (स्थापना) रक्षा मंत्रालय -अध्यक्ष
- (2) उप सचिव (सिविलियन कार्मिक) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (3) उप सचिव (उत्पादन) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (4) उप सचिव (संगठन और पद्धति) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (5) उप वित्तीय सलाहकार (स्थापना एम.ओ.) रक्षा मंत्रालय -सदस्य

(ख) कनिष्ठ विश्लेषक (कार्य अध्ययन) और अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के पद के सामने स्तम्भ 13 के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :-

विभागीय प्रोन्नति समिति की रचना :

(पुनर्निर्माण के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों की पुष्टि पर विचार करने के लिए)

- (1) उप सचिव (स्थापना) रक्षा मंत्रालय -अध्यक्ष
- (2) उप सचिव (सिविलियन कार्मिक) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (3) उप सचिव (उत्पादन) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (4) उप सचिव (संगठन और पद्धति) रक्षा मंत्रालय -सदस्य
- (5) उप वित्तीय सलाहकार (स्थापना एम.ओ.) रक्षा मंत्रालय -सदस्य

[फाइल संख्या 8 (2)/80/डी (स्थापना-1/गुप-1) (खण्ड-2)]

गो. श्री वडवडिंग, अवसर सचिव

टिप्पण: (1) मूल नियम अधिसूचना का.नि.आ. संख्या 35 के अधीन भारत के राजपत्र भाग-2, खण्ड-4 में तारीख 12 मार्च, 1988 में प्रकाशित किए गए।

New Delhi, the 28th November, 1989

S.R.O. 347.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Defence Senior Analyst (Work Study), Junior Analyst

(Work Study) and Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1988, namely :—

(5) Deputy Financial Adviser (Estt. & OM), Ministry of Defence. —Member.”

1. (1) These rules may be called the Ministry of Defence Senior Analyst (Work Study), Junior Analyst (Work Study) and Research Assistant (Work Study) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

[F. No. 8(2)/80/D(Estt.)Gp.I] (Vol. II)]

G. B. WADAWADIGI, Under Secy.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

NOTE.—(1) The Principal rules published vide Notification S.R.O. 35, in the Gazette of India, Part-II, Section IV dated the 12th March, 1988.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1989

2. In the Schedule to the Ministry of Defence Senior Analyst (Work Study), Junior Analyst (Work Study) and Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1988,—

का.नि.प्रा. 348 :- छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिम कमान द्वारा श्री मोहन लाल शर्मा, अधिशासी मैजिस्ट्रेट का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, सुभाष में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

(a) for the entry under column 13, against the post of Senior Analyst (Work Study), the following entry shall be substituted, namely :—

[फाइल संख्या 19/10/सुभाष/सी/मू व छा/86/5416/डी (क्यू एण्ड सी)]

“Composition of Departmental Promotion Committee — (for considering confirmation of persons appointed on re-employment basis).

New Delhi, the 27th November, 1989

(1) Joint Secretary (Establishment), Ministry of Defence. —Chairman.

S.R.O. 348.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Subathu by reason of the acceptance by the General Officer Commanding-in-Chief Western Command of the resignation of Shri Mohan Lal Sharma Executive Magistrate.

[No. 19/10/Subathu/C/L&C/86/5416/D(Q&C)]

(2) Deputy Secretary (Civilian Personnel), Ministry of Defence. —Member.

(3) Deputy Secretary (Production), Ministry of Defence. —Member.

(4) Deputy Secretary (O&M), Ministry of Defence. —Member.

(5) Deputy Financial Adviser (Estt. & MO), Ministry of Defence. —Member.”

का.नि.प्रा. 349 :- छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि डिप्टी कमिस्तर सोलन ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टी सी बहल, अधिशासी मैजिस्ट्रेट को छावनी बोर्ड, सुभाष का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनोनीति श्री मोहन लाल शर्मा, अधिशासी मैजिस्ट्रेट के स्थान पर किया गया है जिसका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

(b) for the entry under column 13, against the post of Junior Analyst (Work Study) and Research Assistant (Work Study) the following entry shall be substituted, namely :—

[फाइल संख्या 19/10/सुभाष/सी/मू व छा/86/5416-ए/डी (क्यू एण्ड सी)]

करतार सिंह, प्रभार सचिव

“Composition of Departmental Promotion Committee.— (for considering confirmation of persons appointed on re-employment basis).

(1) Deputy Secretary (Establishment), Ministry of Defence. —Chairman.

(2) Deputy Secretary (Civilian Personnel), Ministry of Defence. —Member.

(3) Deputy Secretary (Production), Ministry of Defence. —Member.

(4) Deputy Secretary (O&M), Ministry of Defence. —Member.

S.R.O. 349.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri T. C. Behl Executive Magistrate has been nominated as a member of the Cantonment Board Subathu by the Deputy Commissioner Solan, in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-section (3) of section 13 of that Act vice Shri Mohan Lal Sharma Executive Magistrate, whose resignation has been accepted.

[No. 19/10/Subathu/C/L&C/86/5416-A/D(Q&C)]

KARTAR SINGH, Under Secy.

